निदेशक का संदेश

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संस्थान, कानपुर, जो कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संगठन के अधीन भारत सरकार, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम मंत्रालय के अभिकरण के रूप में कार्य करता है, में निदेशक का कार्यभार ग्रहण करते हुए मुझे अपार हर्ष है। यह संस्थान उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित अन्य दो इलाहाबाद एवं आगरा के संस्थानों के बीच केन्द्रकीय (नोडल) रूप में कार्य करता है । यह संस्थान विकास आयुक्त (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम), नई दिल्ली द्वारा निर्धारित शत-प्रतिशत लक्ष्यों को प्राप्त कर अद्वितीय स्थान पर है।

संस्थान में कार्यरत विभिन्न तकनीकी संवर्गों जैसे रसायन, यान्त्रिकी, वैद्युत, कॉच एवं मृत्तिका, चर्म एवं पादुका के अलावा अन्य वांक्षित विषयों - उद्यमिता विकास, प्रबन्ध प्रशिक्षण एवं अन्य कुछ विषयों जैसे -बौद्धिक सम्पदा अधिकार, विश्व व्यापार संगठन, निर्यात संवर्द्धन, आर्थिक अन्वेषण एवं सांख्यिकी आदि के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सिद्धस्त क्षमता प्राप्त हैं । संस्थान के अन्तर्गत प्रशिक्षण-सह-खाद्य उत्पाद विकास हेतु उत्पाद विकास केन्द्र की भी व्यवस्था है। कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु चार कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं (लैब) हैं । संस्थान की कार्यशाला सी.एन.सी मशीन से सुसज्जित है।

संस्थान के अधिकारियों द्वारा वर्ष 2011-12 के लिए प्रस्तुत कार्य-योजना से मुझे अत्यन्त सन्तोष है । इस कार्य-योजना में राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम, एम.एस.ई.-सी.डी.पी. के अन्तर्गत विविध कार्यकलापों एवं अवयवों को शामिल किया गया है । शिक्षित बेरोजगार युवकों के लिए उनकी योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप भिन्न-भिन्न विषयों पर आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम एवं कौशल विकास कार्यक्रमों की योजना है ताकि वे स्व-रोजगार के अनुकूल अवसर प्राप्त कर सकें ।

मुझे आशा है कि राज्य सरकार के कार्यालयों, उद्योग संगठनों, पूर्व प्रशिक्षणार्थियों, समाचार माध्यमों के सक्रिय सहयोग से यह संस्थान श्रेयष्कर सेवाएं प्रदान करने में समर्थ रहेगा ।

सादर,

1.9.2011

(आर.बी.गुप्ते)
निदेशक
एमएसएमई-विकास संस्थान
कानपुर